

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर-2008

प्रश्न पत्र-I

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 50

प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करते हुए, कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दें। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न 1 और 6 अनिवार्य हैं।

भाग-I (अष्टकवर्ग)

1. निम्न कुण्डली के लिए बृहस्पति व शुक्र का भिन्नाष्टक वर्ग बनाए:-
जन्म: 3.1.1955, 2:55 घण्टे, मेरठ, दशाशेष : केतु 5व 11 मा 16 वि.
लग्न : तुला 20:45, सूर्य - धनु 18:29, चन्द्र - मेष 02:02 मंगल - कुंभ 17:56, बुध - धनु 23:27, बृहस्पति (व) - कर्क 03:23, शुक्र - वृश्चिक 04:03, शनि - तुला 25:16, राहु - धनु 12:17

2. सोदाहरण व्याख्या करें।

क) त्रिकोण शोधन

ख) एकाधिपत्य शोधन

ग) राशि पिण्ड, ग्रह पिण्ड तथा शोध्य पिण्ड

3. प्रश्न संख्या 1 में दी गई जन्मांश के सर्वाष्टक बिन्दु इस प्रकार है :-

मेष	25	तुला	33
वृष	32	वृश्चिक	23
मिथुन	24	धनु	31
कर्क	28	मकर	23
सिंह	32	कुंभ	32
कन्या	28	मीन	26

क) जातक के जीवन का कौन सा भाव समृद्धशाली होगा व क्यों?

ख) कौन से भाव शुभ अथवा अशुभ है व क्यों?

ग) क्या जातक को जीवन में आय उसके परिश्रम प्रयासों के बराबर, अधिक या कम प्राप्त होगी?

घ) जातक या उसकी पत्नी/पति में से किसका वर्चस्व होगा?

ड) जातक के जीवन में अशुभ घटनाएं कब-कब घट सकती हैं?

4. अष्टकवर्ग पद्धति में आयुगणना की प्रक्रिया व उसका आधार क्या है? चर्चा करें।

5. यह व राशि गुणाकर से क्या तात्पर्य है? अष्टकवर्ग में इनका उपयोग बताइये।

भाग-II (प्रश्न कुण्डली)

6. संक्षेप में चर्चा करें :-

क) प्रश्न कुण्डली में यह कैसे पता लगाएंगे कि प्रश्नकर्ता का उद्देश्य सफल होगा?

ख) प्रश्न कुण्डली की आवश्यकता तथा महत्व के बारे में तर्क सहित अपने विचार बताएं।

7. क) निम्न प्रश्न एक मुकदमे के संदर्भ में किया गया जिसका फैसला 19.9.08 को होना था। प्रश्न 17.8.08 को 11.00 बजे प्रातः दिल्ली में किया गया। किस प्रकार का फैसला होने की संभावना है?

लग्न - तुला 7:14, सूर्य - सिंह 00:42, चन्द्र - कुंभ 4:48
मंगल - कन्या 4:38, बुध - सिंह 17:53, गुरु (व) - धनु 19:19
शुक्र - सिंह 19:36, शनि - सिंह 15:42, राहु - मकर 24:36

ख) "मैं साक्षात्कार के लिए जा रहा हूँ। क्या मुझे सफलता प्राप्त होगी?" यह प्रश्न 20.4.2008 को 17.30 बजे दिल्ली में किया गया। आपका क्या उत्तर होगा? कारण सहित बताएं।

लग्न - कन्या 20:14, सूर्य - मेष 6:48, चन्द्र - तुला 7:32
मंगल - मिथुन 26:00, बुध - मेष 11:35, गुरु - धनु 27:50
शुक्र - मीन 23:37, शनि (व) - सिंह 7:51, राहु - कुंभ 1:35

8. एक उदाहरण सहित किन्ही चार पर संक्षेप में टिप्पणी लिखें :-

- क) इत्थसाल योग
- ख) कम्बूल योग
- ग) मनाऊ योग
- ध) रद्द योग
- ड) इकबाल योग

9. क) गुम हुए व्यक्ति की परिस्थिति का अवलोकन किस प्रकार करेंगे? अपना मत निम्न जातक के घर छोड़कर जाने के पश्चात् बनी प्रश्न कुण्डली के आधार पर करें। क्या जातक की वापसी की संभावना है यदि हाँ तो कब तक? प्रश्न समय - 28.04.2008, 17:08 बजे, दिल्ली

लग्न - कन्या 22:19 सूर्य - मेष 14:35 चन्द्र - मकर 13:21
मंगल - कर्क 00:03 बुध - मेष 28:02 गुरु - धनु 28:12
शुक्र - मेष 03:28 शनि (व) - सिंह 07:43 राहु - कुंभ 00:33

ख) गुम हुई वस्तु की स्थिति की गणना किस प्रकार करते हैं? निम्न चोरी संबंधी प्रश्न कुण्डली पर अपना मत दें। क्या वस्तु मिलने की संभावना है? यदि हाँ तो कब तक।

प्रश्न समय : 17.08.2008, 11:45 प्रातः दिल्ली

लग्न - तुला 16:56, सूर्य - सिंह 00:44, चन्द्र - कुंभ 05:12
मंगल - कन्या 04:39, बुध - सिंह 17:56, गुरु (व) - धनु 19:19
शुक्र - सिंह 19:38, शनि - सिंह 15:42, राहु - मकर 24:36

10. निम्न का उत्तर दें :-

- क) एक से अधिक प्रश्नों का उत्तर प्रश्न ज्योतिष में किस प्रकार दिया जाता है?
- ख) चर्चा करें कि प्रश्न में कौन सी दृष्टि प्रयोग करनी चाहिए - पराशरी या ताजिक
- ग) यह किस प्रकार निष्कर्ष निकालेंगे कि वस्तु गुम हुई है या चोरी हुई है? कम से कम दो योग बताएं।